



अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 \(IGM\)](#) समारोह के हस्तिसे के रूप में 11 दविसीय 'गीता प्रश्नोत्तरी' शुरू किया गया। प्रतियोगिता में प्रतदिनि [गीता](#) और [महाभारत](#) से संबंधित पाँच प्रश्न पूछे जाते हैं। ओडिशा IGM 2024 का भागीदार राज्य है।

प्रमुख बडि

- गीता प्रश्नोत्तरी के उद्देश्य:
 - इस प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं को गीता और महाभारत के बारे में शक्ति कराना है।
 - प्रतभागियों को पवित्र पुस्तकें उठाकर उत्तर खोजने, चर्चा और जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है।
 - यह प्रश्नोत्तरी मुख्य महोत्सव शुरू होने से पहले शरदधालुओं और तीर्थयात्रियों के लिये एक अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम के रूप में कार्य करती है।
- प्रतियोगिता प्रारूप और पुरस्कार:
 - प्रश्नोत्तरी की दो श्रेणियाँ हैं: सार्वजनिक और वदियार्थी।
 - प्रत्येक दिन प्रत्येक श्रेणी से 20 वजिताओं को 500-500 रुपए मिलेंगे।
 - प्रश्नोत्तरी के अंत में, प्रत्येक श्रेणी के 25 वजिताओं को 1,000 रुपए मिलेंगे, जनिमें से 10 वजिता हरयाणा से, 10 अन्य राज्यों से और 5 वजिता ओडिशा से IGM 2024 में शामिल होंगे।
 - शीर्ष परेकों को मौदरकि पुरस्कार और उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाएंगे।
- स्कूली छात्रों और गुणवत्तापूर्ण प्रश्नों पर ध्यान देना:
 - स्कूल जाने वाले बच्चे प्रतभागियों का एक महत्त्वपूर्ण हसिसा हैं।
 - भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये दैनिक वजिताओं की संख्या दोगुनी कर दी गई है, जबकि प्रश्नों की गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 (IGM)

- यह उत्सव नैतिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को बढ़ावा देता है तथा आज के चुनौतीपूर्ण समय में प्रासंगिकता प्रदान करता है।
- इस महोत्सव का उद्देश्य भगवद् गीता की शाश्वत शक्तिओं के माध्यम से लोगों को प्रबुद्ध करना है, जसिे प्रायः "ददिय गीत" कहा जाता है।
- महोत्सव का इतहिसः
 - हरयाणा सरकार और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त प्रयासों से वर्ष 1989 से कुरुक्षेत्र, हरयाणा में गीता महोत्सव मनाया जाता रहा है।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान:
 - वर्ष 2016 में हरयाणा ने इस उत्सव को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के रूप में घोषित किया, जसिके तहत कुरुक्षेत्र में दो मिलियन से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ।
- हाल के समारोहों की मुख्य विशेषताएँ:
 - अंतरराष्ट्रीय कलाकारों एवं शलिपकारों की भागीदारी।
 - धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठनों द्वारा बडे शलिप मेले एवं प्रदर्शनियाँ।
 - कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा गीता पर आयोजित संगोष्ठी में भारतीय और वदिशी वदिवानों ने भाग लिया।
 - 18,000 वदियार्थियों द्वारा गीता का वैश्विक जप।
 - गीता शोभायात्रा, वभिनिन भारतीय क्षेत्रों के खाद्य स्टाल और एक भव्य शलिप मेला।
- सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रभाव:
 - यह महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देता है, वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करता है और प्रत्येक वर्ष इसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।
 - अपने विविध कार्यक्रमों के माध्यम से गीता महोत्सव वभिनिन क्षेत्रों और देशों के लोगों को एकजुट करता है तथा भगवद् गीता के सार का उत्सव मनाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/international-gita-fest-1>

